28

फोटो पत्रकार की भूमिका

अब तब आप समझ चुके होंगे कि फोटो पत्रकारिता की रीढ़ फोटो पत्रकार होता है। एक अच्छा फोटो पत्रकार कुशल फोटोग्राफर भी होता है जो कैमरा तथा अन्य उपकरणों का अपने सर्वश्रेष्ठ लाभ हेतु उपयोग करता है। साथ ही उसे मननशील रचनात्मक व्यक्ति भी होना चाहिए जो तकनीक तथा निर्णयात्मकता के समावेश से तस्वीरें घटना घटित होने के साथ ही ले ले क्योंकि समाचार घटनाएँ फोटोग्राफर का इंतजार नहीं करतीं।

कुछ फोटो पत्रकार अपने फोटोग्राफ को ज्यादा रोचक बनाने के लिए तस्वीर से छेड़छाड़ करते हैं (उदाहरण के लिए लोगों का वांछित फोटोग्राफ हेतु निर्देशानुसार तैयार होना)। यह गलत है क्योंकि फोटो पत्रकार का मुख्य उत्तरदायित्व है कि वह दर्शक को वह तस्वीर दे जो सच्ची हो तथा स्वयं में बात स्पष्ट करने वाली हो। तस्वीर के लिए छेड़छाड़ समाचार खुद गढ़ने जैसा है। यह गंभीरता से कहें तो समाचार नहीं होता बल्कि कहानी कहना होता है।

उद्देश्य

इस अध्याय का अध्ययन करने के उपरांत आप कर सकेंगेः—

- फोटो पत्रकार हेतु अपेक्षित तैयारियों का वर्णन;
- फोटो पत्रकारिता में व्यवसाय की आचार संहिता की व्याख्या;
- भारत में फोटो पत्रकारिता के इतिहास की चर्चा;
- कुछ प्रसिद्ध भारतीय फोटो पत्रकारों को सूचीबद्ध करना।

28.1 फोटो पत्रकार हेतु अपेक्षित तैयारियां

घटनाएँ किसी का इंतजार नहीं करतीं, विशेषकर फोटो पत्रकारों का। एक फोटो पत्रकार को हमेशा तेजी से सक्रिय होने के लिए तैयार रहना चाहिए तथा उसका कैमरा सदैव हाथों में होना चाहिए। रोचक तस्वीरें प्रायः फोटो पत्रकार की सतर्कता का प्रतिफल होती हैं जो सही समय पर सही जगह पर मौजूद होता है। यदि फोटो पत्रकार अपने कार्य के प्रति लापरवाह रहेगा तो वह बहुत सारे महत्वपूर्ण मौके खो सकता है। यह केवल महत्वपूर्ण जगह पर मौजूद होना नहीं है बल्कि सबसे सही जगह पर कैमरा तैयार कर मौजूद होने की बात हैं। कुछ घटनाएँ या आयोजनों की सूचना अग्रिम रूप से फोटो पत्रकार के पास रहती है। अतः वह कार्यवाही शुरु होने से पूर्व वहाँ मौजूद हो सकता है। उदाहरण के लिए एक सार्वजनिक समारोह या आयोजन जैसे एक खेल आयोजन या राजनैतिक बैठक की पर्याप्त समय पहले ही घोषणा हो जाती है। समाचार पत्रों को स्थान तथा समय के बारे में सूचित कर दिया जाता है। यदि फोटो संपादक को यह लगता है कि आयोजन महत्वपूर्ण है तो वह एक फोटो पत्रकार को इसे कवर करने की जिम्मेदारी सौंपता है। फोटो पत्रकार वहाँ पर भागीदारों, दर्शकों, आयोजन स्थल आदि के फोटोग्राफ लेगा।

लेकिन बहुत सारी घटनाएँ ऐसी होती हैं जिसके लिए फोटो पत्रकार पहले से तैयार नहीं हो सकते जैसे आतंकी हमला, दंगा, रेल दुर्घटना, भूकम्प, पुल का ढहना आदि। यदि कोई फोटो पत्रकार इस तरह की घटनाओं के समय वहाँ पर मौजूद है तो उसे तुरन्त सक्रिय होना होगा और साथ ही अपनी सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी होगी। किसी फोटो पत्रकार के लिए आतंकी हमला, गंभीर दुर्घटनाओं या बड़ी प्राकृतिक आपदाओं को उसी समय कैमरे में कैद करना जब ये घटती हैं दुर्लभ होता है। सामान्यतः यह बाद का समय होता है जिसे कैमरा कैद करता है। अतः फोटो पत्रकार प्रयास करता है कि वह ऐसी तस्वीरें उतारे जो घटना को स्पष्ट कर दें। ये घटना की व्यापकता या भीषणता, उसका लोगों पर प्रभाव एवं घटना स्थल होता है। सर्वश्रेष्ठ तस्वीरें फोटोग्राफर की निर्णय क्षमता तथा संवेदनशीलता का परिणाम होती हैं।

समाचारपत्रों में बहुत कम तस्वीरें छाँटकर प्रतिदिन प्रकाशित होती हैं। ऐसा क्यों है? जिस तरह रिपोर्टर द्वारा संकलित सभी समाचार प्रकाशित नहीं होते उसी तरह फोटो पत्रकार द्वारा लिए गये हर चित्र भी नहीं छपते हैं। फोटो संपादक फोटो पत्रकारों द्वारा प्रस्तुत सभी तस्वीरों को देखता है तथा निर्णय लेता है कि कौन सी तस्वीरें छपेगीं और कौन सी नहीं।

अब हम देखेंगे कि फोटो संपादक ऐसा कैसे करता है?

यह चयन उस दिन के महत्वपूर्ण समाचार से जुड़ा होता है। वह फोटोग्राफ जो लीड समाचार को स्पष्ट करता हो उसका चयन सुनिश्चित होता है। उदाहरण के लिए यदि

दिन का सबसे महत्वपूर्ण समाचार ईंधन के दामों में बढ़ोतरी का है तो पेट्रोल पम्प पर ऑटो या ट्रक की लंबी लाइनें लगने का फोटोग्राफ अवश्य प्रकाशित किया जाएगा।

चयन का अन्य आधार फोटोग्राफ स्वयं होता है। यदि कोई फोटोग्राफ तीव्र प्रभावी हो या समाचार को स्पष्ट करता हो तो उसके प्रकाशित होने के अवसर बढ़ जाते हैं। उदाहरण के लिए, बाढ़ की एक तस्वीर, जिसमें केवल मकान की छत ही पानी से ऊपर नजर आ रही हो उसका प्रभाव उसी बाढ़ का वर्णन करने वाले हजार शब्दों से ज्यादा होगा।

पाठक को क्या पसंद आएगा, समाचार पत्र के लिए फोटोग्राफ चयन का यह भी आधार होता है। अतः स्थानीय आयोजनों के फोटोग्राफ जैसे अन्तर विद्यालयीय खेल प्रतियोगिता या नये स्कूल भवन का उद्घाटन अक्सर प्रकाशित हो जाते हैं।

जब फोटो पत्रकार फोटो फीचर पर काम करता है तो अलग कार्यशैली तथा अलग तरह की तैयारी की आवश्यकता होती है। यदि चित्र व्यक्तियों के हैं तो फोटो पत्रकार में धैर्य होना चाहिए तथा उसे फोटोग्राफ लेने के लिए उनका विश्वास अर्जित करना चाहिए। अधिकांश लोग कैमरा जब उन पर केन्द्रित होता है तो सतर्क हो जाते हैं अथवा शर्माते हैं तथा उनका व्यवहार सामान्य नहीं हो पाता। अतः फोटो पत्रकार को इस तरह काम करना चाहिए कि वह जिनके फोटोग्राफ ले रहा है उन्हें उसकी मौजूदगी का एहसास नहीं हो। इसका सबसे अच्छा तरीका है कि जिनका फोटोग्राफ लेना है उनके साथ फोटो पत्रकार समय बिताए, उनसे बात करें कि वे क्या कर रहे हैं तथा फोटोग्राफ के उद्देश्य भी उन्हें बताए। इस तरह जब फोटोग्राफ लिए जाएँगे तो वे बहुत ज्यादा फोटो पत्रकार के तात्पर्य के बारे में जिज्ञासु या चिंतित नहीं होंगे तथा कैमरे को अपेक्षित कर सामान्य व्यवहार कर सकेंगे जब कैमरा उन पर केन्द्रित होगा।

पाठगत प्रश्न 28.1

1. दो घटनाएँ या आयोजन बताएँ जिसके लिए फोटो पत्रकार तैयार रहता है तथा दो घटनाएँ या आयोजन बताएँ जिसके लिए वह तैयार नहीं हो सकता।
2. फोटो सम्पादक की क्या भूमिका है?
3. फोटो पत्रकार फोटो फीचर की तैयारी कैसे करता है?

28.2 आचार तथा फोटो पत्रकार

फोटो पत्रकारिता में आचार एक महत्वपूर्ण शब्द है। आचार वह सामान्य सिद्धान्त हैं

जो लोगों के व्यवहार को प्रभावित करते हैं। पत्रकारिता आचार वह नैतिक सिद्धान्त हैं जो सभी तरह की पत्रकारिता में व्यवहार को संचालित करते हैं। यह फोटो पत्रकार को गलत–सही के चयन में निर्देशित करते हैं।

सत्यता एक महत्वपूर्ण आचार है। एक फोटो पत्रकार को हमेशा ऐसी तस्वीरें लेनी चाहिए जो सत्य को उद्घाटित करती हों।

डिजिटल युग में आचार का मुद्दा ज्यादा महत्वपूर्ण है। जबसे कम्प्यूटर पर फोटोग्राफ में बदलाव करना आसान हो गया है। यह विश्वास किया जाता है कि कैमरा झूठ नही बोलता। लेकिन अब कम्प्यूटर माउस की कुछ 'क्लिक' समूचे फोटोग्राफ को ही बदल सकती हैं। अतः अब यह बहुत ज्यादा घटना रिकार्ड करने की बात नहीं है। उदाहरण के लिए आप किसी व्यक्ति को सिगरेट पीते दिखा सकते हैं जिसने जीवन में सिगरेट नहीं पी हो अथवा उसे ऐसे आदमी के साथ दिखा सकते हैं जिससे वह कभी मिला ही नहीं हो। आप उस जगह पर काफी भीड़ दिखा सकते हैं जहाँ तस्वीर लेते समय कुछ ही लोग मौजूद रहे हों। आप लोगों को विदेशों के प्रसिद्ध स्मारकों के सामने खड़ा दिखा सकते हैं, जहाँ वे कभी गये ही नहीं हों।

इस तरह की तस्वीरों से छेड़छाड़ बुनियादी पत्रकारीय आचार का उल्लंघन है। फोटो पत्रकार के लिए सत्य को कैमरे में कैद करना अनिवार्य है। इसका अभिप्राय है कि फोटो पत्रकार वही फोटो खींचे जो घटा है तथा जब घटा है। वह परिस्थितियां पैदा नहीं करे या फोटोग्राफ को जैसा है उससे रोचक बनाने के लिए उनमें अन्य चीजों का समावेश नहीं करे।

यह भी पत्रकारीय आचार के विरुद्ध है कि वह लोगों को तैयार करके तस्वीर खींचे। उदाहरण के लिए यदि फोटो पत्रकार को स्कूल में मिडडे मील योजना का चित्र खींचना है तो उसे भोजन के समय स्कूल में जाकर जो दिख रहा है उसकी तस्वीर उतारे। यह बच्चों के लिए खाना तैयार होना, परोसा जाना या खाना खाते बच्चे कुछ भी हो सकते हैं। लेकिन यदि वह बच्चों का एक समूह तैयार करे जो स्कूल पोशाक में कतार में आगे प्लेट लगाकर बैठे हों और लगे कि स्कूल में मिड डे मील ले रहे हैं तो यह पत्रकारीय आचार के विरुद्ध होगा।

अपने व्यावसायिक उत्तरदायित्वों के प्रति गंभीर फोटो पत्रकार कभी भी तस्वीर से छेड़छाड़ या किसी घटना का मंचन अपने कैमरे के लाभ के लिए नहीं करेगा।

पाठगत प्रश्न 28.2

1. निम्नांकित में से सत्य तथा असत्य कथन की पहचान करें–

   i) सत्यता महत्वपूर्ण पत्रकारीय आचार नहीं है।

   ii) तस्वीरों से छेड़छाड़ बुनियादी पत्रकारीय आचार का उल्लंघन है।

   iii) डिजिटल युग में कम्प्यूटर पर किसी भी तस्वीर से छेड़छाड़ संभव है।

   iv) एक फोटो पत्रकार अपनी सुविधानुरूप कोई स्थिति बना या पुनर्रचित कर सकता है।

28.3 भारत में फोटो पत्रकारिता

अपनी खोज के दो वर्ष के भीतर ही भारत में फोटोग्राफी का प्रवेश हो गया। ब्रिटिश शासनकाल में ब्रिटिश फोटोग्राफरों द्वारा देश, इसकी द श्यावली तथा स्मारकों का फोटोग्राफ लेना शुरू हुआ। जब सन् 1857 में पहला स्वतंत्रता संघर्ष आरम्भ हुआ, यह दुनिया के पहले युद्ध फोटोग्राफी में से एक था जिसकी कुछ तस्वीरें आप पत्रिकाओं में देख सकते हैं।

बाद में जब कैमरा आकार में छोटा हुआ फोटो पत्रकारिता को व्यापक लोकप्रियता मिली। विशेषकर स्वतंत्रता आंदोलन के समय बहुत सारे राजनैतिक घटनाक्रम भारत में मूर्त रूप ले रहे थे। इन सबने फोटो पत्रकारों को फोटो लेने के बहुत से मौके उपलब्ध कराए।

राजा दीनदयाल भारत के आरम्भिक प्रसिद्ध फोटो पत्रकारों में से एक थे। वह भारत में छठे हैदराबाद निजाम के दरबार के फोटोग्राफर थे। जैसा कि वह एकमात्र देशी फोटोग्राफर थे, उन्होंने ब्रिटिश भारत का महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने पीछे छोड़ा।

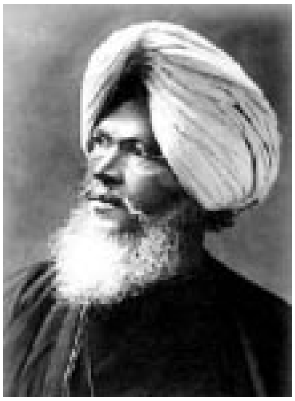

चित्र 28.1: राजा दीनदयाल

उस समय सक्रिय प्रसिद्ध फोटो पत्रकार सुनील जानाह भी थे। एक राजनैतिक कार्यकर्ता तथा पत्रकार के रूप में अपने समाचार पत्र के लिए लिखते समय सुनील जानाह ने भारत में महत्वपूर्ण घटनाओं के चित्र खींचे तथा ब्रिटिश राज से भारत की स्वतंत्रता के परिवर्तन के महत्वपूर्ण दस्तावेज तैयार किए। उनके भारत विभाजन, देश के लोग; विशेषकर जनजातीय लोग तथा उद्योग एवं मंदिर संरचनाओं के फोटोग्राफ काफी प्रसिद्ध हैं। सुनील जानाह का नेहरू एवं गांधी का चित्र हमें अब हर जगह दिखाई देता है।

चित्र 28.2: सुनील जानाह द्वारा लिया गया एक चित्र

यहाँ एक और नाम है जिसका विशेष उल्लेख आवश्यक है क्योंकि पुरुष वर्चस्व के व्यवसाय में वह पहली महिला फोटो पत्रकार थीं। वह हैं होमाई व्यारावाला। उनका काम पहली बार सन् 1938 में बॉम्बे क्रॉनिकल में प्रकाशित हुआ तथा बाद में उस समय के अन्य प्रमुख प्रकाशनों में। उन्होंने इल्युस्ट्रेटेड वीकली ऑफ इण्डिया के लिए भी काम किया तथा द्वितीय विश्वयुद्ध के समय भारत में युद्धकालीन गतिविधियों के हर पहलू को कैमरे में कैद किया। उनका स्वतंत्रता आंदोलन का दस्तावेजीकरण महत्वपूर्ण है। वह सन् 1970 तक स्वतंत्र फोटोग्राफर के रूप में सक्रिय रहीं तथा उन्हें सभी फोटो पत्रकारो में ऊँचा सम्मान हासिल रहा।

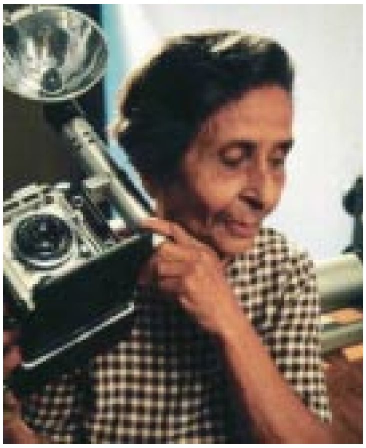

चित्र 28.3: होमाई व्यारावाला

टिप्पणी

चित्र 28.4: (क) हेनरी कार्टियर ब्रेसन

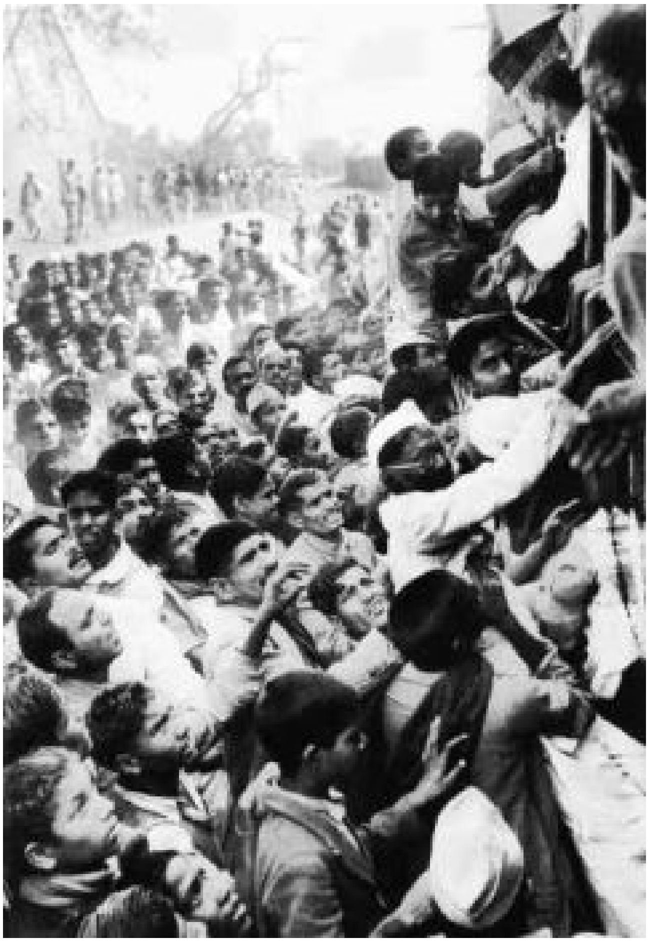

चित्र 28.4: (ख) हेनरी कार्टियर ब्रेसन द्वारा किया गया चित्र

इसके अतिरिक्त कुछ अन्तरराष्ट्रीय विदेशी फोटोग्राफर भी थे जिन्हें भारत में फोटोग्राफी करना पसन्द था। इनमें से हेनरी कार्टियर ब्रेसन का नाम प्रसिद्ध है। हेनरी कार्टियर ब्रेसन एक फ्रांसिसी थे तथा उनका नाम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फोटो पत्रकारों में शुमार किया जाता है। वह 1940 में भारत की यात्रा पर आए तथा बाद में वर्षों में उनका

वापस आना जारी रहा। उनका सबसे महत्वपूर्ण फोटोग्राफ है पंडित जवाहरलाल नेहरु द्वारा गाँधी जी की म त्यु की घोषणा। उनकी पुस्तक 'हेनरी कार्टियर ब्रेसन इन इंडिया' काफी प्रसिद्ध है।

स्वतंत्रता पश्चात के फोटो पत्रकारों में रघु राय का नाम सर्वाधिक प्रसिद्ध है। राय के फोटोग्राफ अभी भी देखने में मिलते हैं क्योंकि वे अभी भी सक्रिय हैं। सन् 1960 में रघु राय ने दिल्ली से अपने काम की शुरुआत की तथा महत्वपूर्ण राष्ट्रीय समाचारपत्रों जैसे हिन्दुस्तान टाइम्स तथा 'स्टेट्समैन' के लिए काम किया। बाद में वह 'इंडिया टुडे' के प्रधान फोटोग्राफर हुए तथा वहाँ लम्बे समय तक काम किया। अब श्री राय स्वतंत्र फोटोग्राफर के रूप में सक्रिय हैं तथा पूरे विश्व में उनके नाम का सम्मान है। उनके इन्दिरा गाँधी तथा मदर टेरेसा जैसे प्रसिद्ध व्यक्तित्वों के फोटोग्राफ काफी प्रसिद्ध हैं। 20वीं सदी के उत्तरार्ध की महत्वपूर्ण घटनाओं जैसे भोपाल गैस त्रासदी, बांग्लादेश युद्ध आदि को छायांकित करने के अतिरिक्त उन्होंने विविध विषयों जैसे दिल्ली, ताजमहल, सिक्ख, बनारस आदि पर पुस्तकें भी प्रस्तुत की हैं। उनके आरम्भिक चित्र श्वेत–श्याम हैं पर बाद में उन्होंने रंगीन फोटोग्राफी को अपनाया। उन सबमें सौन्दर्यपूर्ण गुणवत्ता है।

प्रशान्त पंजियर वर्तमान समय के एक अन्य सफल फोटो पत्रकार हैं। वे कोलकाता में जन्मे तथा स्वयं प्रशिक्षित फोटोग्राफर हैं जिन्होंने दिल्ली में विभिन्न पत्रिकाओं के लिए काम किया है। उनका सबसे सफल जुड़ाव 'आउटलुक' पत्रिका के प्रधान फोटोग्राफर तथा संयुक्त संपादक के रूप में रहा। वह इस पत्रिका के संस्थापक सदस्य रहे हैं तथा उन्होने इसके लिए लोगों में लोकप्रिय अपील की है तथा 'आउटलुक' आज भारत में अग्रणी पत्रिका के रूप में प्रतिष्ठित है।

चित्र 28.5: रघु राय

ऊपरवर्णित नाम मात्र कुछ प्रसिद्ध फोटो पत्रकारों के नाम हैं। इनके अतिरिक्त और भी बहुत सारे लोग हैं जिन्होंने दुनिया भर में प्रिंट मीडिया में अपने नाम से फोटो पत्रकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुद्रण प्रौद्योगिकी में सुधार के साथ ही समाचार पत्रों ने अधिक तथा रंगीन चित्रों का प्रयोग आरम्भ कर दिया है। इससे फोटो पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की माँग बढ़ी है।

पाठगत प्रश्न 28.3

1. नीचे दी गयी सूची में फोटो पत्रकारों के नाम का उनके नामों से मिलान करें–

(i) होमाई व्यारवाला	(क) भारत विभाजन का फोटोग्राफ
(ii) हेनरी कार्टियर ब्रेसन	(ख) महात्मा गाँधी के म त्यु की उद्घोषणा करते पंडित जवाहरलाल नेहरू का फोटोग्राफ
(iii) प्रशान्त पंजियर	(ग) द्वितीय विश्वयुद्ध का फोटोग्राफ
(iv) रघु राय	(घ) 'आउटलुक' पत्रिका में फोटोग्राफ
(v) सुनील जानाह	(च) मदर टेरेसा का फोटोग्राफ

28.4 आपने क्या सीखा

→ फोटो पत्रकार की भूमिका

- फोटो पत्रकार की तैयारी
- वह आयोजन जिसके लिए फोटो पत्रकार तैयार रहते हैं।
- वह आयोजन/घटना जिसके लिए फोटो पत्रकार तैयार नहीं रहते
- फोटो पत्रकार की निर्णयात्मकता तथा संवेदनशीलता
- फोटो संपादक की भूमिका
- फोटो खींचते समय फोटो पत्रकार की कार्यशैली
- फोटो पत्रकारिता में व्यवसायगत आचार

- सत्यता – महत्वपूर्ण पत्रकारीय आचार
- फोटोग्राफ से छेड़छाड़ – बुनियादी पत्रकारीय आचार का उल्लंघन

→ भारत में फोटो पत्रकारिता

- भारत में फोटोग्राफी का आगमन
- प्रसिद्ध फोटो पत्रकार
- सुनील जानाह
- होमाई व्यारावाला
- हेनरी कार्टियर ब्रेसन
- रघु राय
- प्रशांत पंजियर

28.5 पाठान्त अभ्यास

1. उन कारकों का विस्तार से वर्णन करें जिनका विभिन्न उद्देश्यों से फोटो खींचते समय फोटो पत्रकार ध्यान रखता है।
2. 'फोटो पत्रकारिता में आचार का मुद्दा डिजिटल युग में जहाँ कम्प्यूटर पर किसी फोटोग्राफ को बदलना आसान हो गया है, ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है' चर्चा करें।
3. स्वतंत्रता पूर्व तथा पश्चात भारत में फोटो पत्रकारों द्वारा निभाई गई भूमिका की सोदाहरण व्याख्या करें।

28.6 पाठगत प्रश्नों के उत्तर

28.1 1. i) राजनैतिक बैठक, फुटबॉल मैच, कोई अन्य

ii) दुर्घटना, भूकम्प, कोई अन्य

2. फोटो संपादक उन चित्रों का चयन करता है जो दिन विशेष को, समाचार पत्र में प्रकाशित होते हैं। यह निम्नांकित बातों पर निर्भर करता है–

i) दिन की महत्वपूर्ण घटनाएँ जिनके पूरक के रूप में फोटोग्राफ आवश्यक है?

ii) तत्काल प्रभावी प्रकृति के फोटोग्राफ जो पूरी कहानी स्पष्ट करते हों, तथा

iii) पाठकों की अभिरुचि।

3. फोटोग्राफर को धैर्यवान होना चाहिए तथा जिसका उसे फोटोग्राफ लेना है उनका विश्वास अर्जित करना चाहिए। फोटोग्राफर को इस तरह से व्यवहार करना चाहिए जिससे वे लोग जिनका फोटो लेना है वे सतर्क न महसूस करें तथा जब कैमरा उन पर केन्द्रित हो तो सामान्य व्यवहार करें।

28.3 1. i) असत्य

ii) सत्य

iii) सत्य

iv) असत्य

32.3 1. i) ग

ii) ख

iii) घ

iv) च

v) क